हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 12 मई 2025

11 सैनिकों की सलामती व देश में शांति की प्रार्थना

12 वानी खेड़ा में बारिश के कारण 30-40 हजार ....

खबर संक्षेप

मजदूर की हत्या मामले में आरोपित गिरफ्तार

तोशाम। तोशाम में जुई मार्ग पर स्थित आरा मशीनों पर कार्यरत मजदूर की हत्या करने के मामले में पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति को शनिवार देर सायं काबू कर लिया। व्यक्ति को रविवार को न्यायालय में पेशकर एक दिन के रिमांड पर लाया गया। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति सोनू को काबू कर लिया। सोनू को रविवार को न्यायालय में पेशकर एक दिन के रिमांड पर लाया गया।

तीन लाख की धोखाधड़ी करने का आरोपी पकड़ा

भिवानी। पुलिस के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने महिला कर्मचारी से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शांति नगर भिवानी निवासी महिला ने थाना साइबर क्राइम पुलिस भिवानी को धोखाधड़ह के बारे में शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपी की पहचान कृष्ण कुमार पुत्र भरत सिंह निवासी जलालाबाद, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

ऋषि से दो किलो 4 ग्राम गांजा पत्ती बरामद

भिवानी। सीआईए स्टाफ -2 भिवानी की टीम ने गांव सिरसा घोघड़ा बस अड्डा से व्यक्ति को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान ऋषि निवासी अशोका कॉलोनी भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से दो किलो 4 ग्राम गांजा पत्ती को बरामद किया गया है।

कर्मचारियों से मोबाइल छिनने का आरोपी पकड़ा

तोशाम। थाना तोशाम पुलिस ने खानक में प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों का मोबाइल फोन छिनने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। शत्रुधन निवासी समस्तीपुर बिहार ऑल निवासी खानक ने बताया की खानक में हॉट मिक्स प्लांट पर काम करता हूं जो प्लांट से पिंजौखरा मोड पर खाना खाने के लिए जा रहा था तभी बाइक पर सवार तीन लड़के आए जिन्होंने शिकायतकर्ता से जरूरी फोन करने के लिए फोन मांगा था और शिकायतकर्ता के द्वारा फोन देने पर आरोपी फोन छिन कर भाग गए थे। थाना तोशाम के उप निरीक्षक कृष्ण कुमार ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान सुंदर निवासी चौधरी बास जिला हिसार के रूप में हुई है।

हर दूसरे दिन मंगवाना पड़ता है 800 रुपये का टैंकर

पेयजल संकट के विरोध में दुर्गा कॉलोनी की महिलाओं ने किया मटका फोड़ प्रदर्शन

प्यास बुझाने के लिए दूर-दराज से लाना पड़ता है पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गर्मी बढ़ रही है, पारा चढ़ रहा है और जल संकट की त्रासदी फिर एक बार आम जनजीवन को झुलसा रही है। ऐसे में बढ़ते पेयजल संकट के विरोध में रविवार को दुर्गा कॉलोनी की महिलाओं का गुस्सा फूटा तथा उन्होंने खाली मटके उठाए, सर पर रखे और सड़कों पर उतर आई तथा नारेबाजी करते हुए अपनी पीड़ा को उजागर किया। इसके साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाए, ताकि उनका जीवन आसान बन सकें।

दिनोदिन बढ़ते पेयजल संकट के विरोध में रविवार को स्थानीय दुर्गा कॉलोनी की अनेक महिलाएं एकत्रित हुई। उनके हाथों में खाली बर्तन, बाल्टियां व मटके थे। उन्होंने एक के बाद एक मटके जमीन पर पटके, ताकि टूटते मटकों की आवाज प्रशासन के कानों तक पहुंचे तथा उनकी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकें। यह प्रदर्शन केवल एक विरोध नहीं था, बल्कि उनकी मजबूरी, गुस्सा और वर्षों से उपेक्षित मांगों की गूंज थी। प्रदर्शनकारियों महिला निर्मला, प्रेम, उषा, सावित्री, आशा, सुरस्ती, सरदानी, सुनीता, काली असर्फी, धन्नो, राजमुनि, कुसुम, कमलेश, भोली, सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही। उन्होंने कहा कि वे 7 साल से पेयजल समस्या से जूझ रही है तथा उन्हें 800 रुपये का टैंकर मंगवाकर काम चलाना पड़ता है, जो दो से तीन दिन चलता है।

भिवानी। पानी की मांग को लेकर मटका फोड़कर प्रदर्शन करती महिलाएं।

अब केवल वादों से काम नहीं चलेगा

महिलाओं ने कहा कि पेयजल समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन ही मिले, लेकिन आज तक समाधान नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि अब केवल वायदों से काम नहीं चलेगा, अब उन्हे स्थायी समाधान चाहिए। साथ ही महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी पेयजल संबंधी समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा प्रदर्शन करने पर मजबूर होगी।

भिवानी। पानी की मांग को लेकर मटका फोड़कर प्रदर्शन करती महिलाएं।

पेयजल समस्या के विरोध में फूटा विद्या नगर हनुमान गली निवासियों का गुस्सा

भिवानी। भिवानी शहर के अलग-अलग वार्डों में पीने के पानी को लेकर शहर वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन कालोनीवासी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जिला प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में स्थानीय विद्या नगर हनुमान गली के आखरी छोर पर पीने का पानी नहीं पहुंचने पर महिलाओं व पुरुषों ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियो के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा चेतावनी दी कि शीघ्र पानी आपूर्ति बहाल नहीं किया तो वे विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध बड़ा प्रदर्शन करेंगे तथा उनका घेराव भी करेंगे। इसी दौरान मोहल्ले के लोगों ने भिवानी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कामरेड ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे तथा क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर नारेबाजी करते हुए पेयजल समस्या का समाधान करवाए जाने की मांग उठाई। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि 17 अप्रैल को उन्होंने जिला प्रशासन के समाधान शिविर में जाकर उक्त गली की पीने के पानी की समस्या उठाई थी तथा प्रशासन ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था, परंतु आज तक इस समस्या का समाधान नहीं किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्ष से इस गली में पीने के पानी की भारी समस्या आ रही है।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सेना के जवानों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पाल स्थित बल्ड बैंक में सैनी कल्याण परिषद द्वारा ऑप्रेशन सिंदुर के समर्थन में सेना के जवानों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यअतिथि सिविल सर्जन डा. रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि सैनी कल्याण परिषद जब भी रक्त कोष में रक्त की कमी होती है तो रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रक्तदान के प्रति युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। युवाओं के साथ साथ अधेड़ भी रक्तदान शिविर में बढ चढ कर भाग ले रहे थे। उनका तर्क था कि देश की सुरक्षा में लगे जवानों को जब भी रक्त जरूरत पड़ेगी तो वे बढ चढ कर भाग लेंगे। क्योंकि रक्तदान से बढकर कोई पुण्य का कार्य नहीं है। परिषद के रक्त प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि राष्ट्रहित को सर्वोपरी मानते हुए देश की सुरक्षा में जो जवान लगे हैं उनको जब भी रक्त की जरूरत पड़ेगी हम इसके लिए सदा तैयार रहेंगे। वे सुरक्षित होंगे तभी हम सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती। बल्कि कुछ ही दिनों में खून अपने आप शरीर पुरा कर लेता है। साथ ही रक्तदान करने से खून कभी भी गाढा नहीं होगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर परिषद के प्रधान भुपसिंह सैनी, कोषाध्यक्ष राजकुमार सैनी, महासचिव सुरेन्द्र सैनी, सुरेश सैनी, मा. मनोज सैनी, राधेश्याम सैनी ठेकेदार, आजाद सैनी, एडवोकेट बलवंत सैनी, एडवोकेट दीपक सैनी, एडवोकेट संदीप सैनी, कपिल सैनी, शंकर खरबंदा, रमेश सैनी ढाणा रोड़, यशविन्द्र सिंह, राजकुमार, सुमित दहिया, सुनील सैनी, बंटी सैनी समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

नरेंद्र सोनी बने शाखा विवेकानंद के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारत विकास परिषद की शाखा विवेकानंद का दायित्व ग्रहण सम्मान समारोह स्थानीय वनवासी कल्याण आश्रम में आयोजित किया गया। इस मौके पर भारत विकास परिषद के हरियाणा पश्चिम के प्रांत अध्यक्ष राजेश गुप्ता कार्यक्रम अध्यक्ष थे। कार्यक्रम का सानिध्य महंत चरण दास महाराज का रहा।

वशिष्ठ अतिथि के तौर पर डॉ विनोद अंचल उपस्थित हुए। कार्यक्रम में शाखा विवेकानंद के सदस्यो का दायित्व ग्रहण व सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमे नरेन्द्र सोनी को अध्यक्ष, कांति कौशिक को शाखा सचिव, संदीप कामरा को खजांची, सरोज रहेजा को महिला सयोजिका सहभागिता, सयोजक संपर्क गतिविधि लक्ष्मण वर्मा, सयोजक सेवा गतिविधि मदन शर्मा, संयोजक संस्कार गतिविधि संजय गिरधर, संयोजक पर्यावरण गतिविधि सुरेन्द्र सांगवान को बनाया गया। कार्यक्रम में मच का संचालन एडवोकेट मुकेश रहेजा ने किया। वही कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा की सभी की मिलकर आगे चलना चाहिए ताकि देश के निर्माण में सभी की भागीदारी सुनिश्त हो सके। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री घनश्याम सर्राफ थे।

भिवानी। भाविप की शाखा विवेकानंद का दायित्व ग्रहण सम्मान समारोह में उपस्थित पदाधिकारी।

नवदंपति को पौधा भेंटकर दीं शुभकामनाएं

- नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था पर्यावरण संरक्षण को लेकर कर रही सराहनीय कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था लगातार प्रेरणादायी कदम उठा रही है। इसी क्रम में संस्था की ओर से हनुमान गेट निवासी रिटायर्ड हरियाणा पुलिस इंस्पेक्टर विजय सोलंकी के पुत्र अक्षय की शादी पर नवदंपति आरती व अक्षय को पौधा भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। यह पहल न केवल एक आशीर्वाद थी, बल्कि हरियाली और सतत जीवनशैली को अपनाने का सकारात्मक संदेश भी था। कार्यक्रम स्वामी जीतू धानक समाज कल्याण सेवा समिति के उपप्रधान राजू सोलंकी की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जो नवविवाहित अक्षय के चाचा हैं।

संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला, पार्षद विनोद प्रजापति, एडवोकेट राजेश जांगड़ा और मुकेश सैनी ने नवदंपति को शुभकामनाएं दी।

भिवानी। नवदंपति को पौधा भेंट करते नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के पदाधिकारी।

शुभ अवसर पौधे लगाएं

संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि आज के दौर में जब जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और प्रदूषण हमारे भविष्य को संकट में डाल रहे हैं, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह अपने जीवन के हर विशेष अवसर को प्रकृति को समर्पित करें। संस्था ने आमजन से अपील की कि वे खास अवसरों पौधरोपण कर उनकी देखभाल करें

धूल भरी आंधी ने परेशानी बढ़ाई, यातायात प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रविवार शाम के वक्त धूल भरी आंधी से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ। करीब आधे घंटे तक आंधी चलती रही। अंधड वक्त सड़कों पर वाहनों के पहिए थम गए। उसके बाद बूंदाबांदी शुरू हुई तो तेज हवा के साथ उड़ने वाली धूल शांत हुई। देर शाम तक इसी गति से हवा चलती रही।

दूसरी तरफ आसमान में बादलवाई व तेज हवा की वजह से पारा कभी नीचे तो कभी उपर चढ़ता नजर आया। शाम के वक्त पार 39 डिग्री से लूढक कर 34 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। शाम को करीब छह बजे के आसपास अचानक आसमान में काले बादल उमड़ आए। लोग कुछ समझ पाते कि इससे पहले तेज अधंड की भी शुरूआत हो गई। धूल भरी आंधी की वजह से वाहन चालकों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ी।

बरसात ने दी राहत

रविवार दोपहर बाद लोहारू और आसपास के इलाके में धूल भरी तेज आंधियां चली। धूल के गुब्बार के साथ चली आंधी के कारण दुपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के मुख्य बाजार में दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने वाले दुकान मालिकों को मुसीबत झेलनी पड़ी।

महिला कबड्डी खिलाड़ियों के भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा

कैंप में 450 महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रो कबड्डी लीग की तर्ज पर राष्ट्रीय स्तर पर 10 दिवसीय महिला कबड्डी ट्रायल कैंप का आयोजन हुआ, जो देशभर की होनहार महिला कबड्डी खिलाड़ियों के लिए ऐतिहासिक क्षण रहा। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभा को मंच एवं पहचान देना रहा। महिला कबड्डी लीग द्वारा गांव निमड़ीवाली स्थित एमडी पॉलीटैक्नीक स्कूल व कॉलेज में आयोजित 10 दिवसीय ट्रायल कैंप का समापन हो गया।

समापन समारोह में बतौर मुख्यतिथि नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह तथा अध्यक्षता महिला कबड्डी लीग की चेयरपर्सन डॉ. सीमा ने की। मंच संचालन सतीश आर्य निमड़ीवाली ने किया। इस मौके पर एमडी कॉलेज निमड़ीवाली से मैनेजिंग डायरेक्टर प्रतिभा सांगवान भी विशेष तौर पर मौजूद रही। महिला कबड्डी लीग की चेयरपर्सन डॉ. सीमा ने कहा कि शिविर में देशभर से 450 के करीबन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ट्रायल कैंप के माध्यम से 8 टीमों का चयन हुआ, जो सीनियर वर्ग की 59 मैच खेलेगी तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। ट्रायल कैंप के दौरान देश के दिग्गज कोच और अनुभवी सेलेक्टर्स ने हर खिलाड़ी की तकनीक, मानसिक मजबूती और टीमवर्क का बारीकी से अवलोकन किया। चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही और खिलाड़ियों को हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में एमडी कॉलेज निमड़ीवाली के चेयरमैन शेरसिंह आर्य, सरपंच लीलाराम निमड़ीवाली, प्रदीप चौधरी बहु झोलरी, अभयसिंह सरपंच अलखपुरा तोशाम, हरदीप पंघाल, संदीप पंघाल तोशाम, राजेंद्र तोमर, दिनेश सिवाच, अधिवक्ता संदीप, अधिवक्ता रजेंद्र वर्मा, अवतार सांगवान आदि मौजूद रहे।

भिवानी। ट्रालय कैंप के समापन पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

ट्रायल कैंप टर्निंग प्वाइंट साबित होगा: भवानी प्रताप

मुख्यतिथि चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन केवल खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि पूरे महिला कबड्डी जगत को नया आत्मविश्वास देते है। कैंप भविष्य की एक प्रो महिला कबड्डी लीग की मजबूत नींव साबित होगा, जहां महिलाएं भी रोशनी में आएंगी, न कि सिर्फ परदे के पीछे। उन्होंने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि पुरुषों को ही ज्यादा मौके मिलते हैं, लेकिन महिला ट्रायल कैंप ने महिला कबड्डी खिलाड़ियों के लिए भी दरवाजे खोलने का काम किया है। यह शिविर महिला कबड्डी खिलाड़ियों के जीवन का टर्निंग प्वाइंट साबित होगा।

संबंध कोई भी हो लेकिन यदि दुख में साथ न दे अपना
तो सुख में उन संबंधों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
मन कटुवाणी से आहत हो, भीतर तक छलनी हो जाए
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

मुझे मां नहीं बनना

कहानी

प्रतिभा सुमन शर्मा

तुम फिर वापस आ गयीं? पर क्यों? क्या परेशानी थी? जुमा- जुमा चार ही साल हुए हैं शादी को और चार सालों में तुम पांच बार वापस आ गयी हो, पता है तुम्हें ? मैं इकलौती औरत क्या-क्या संभालूं ? तुम्हारे बाप को तो होश नहीं रहता कि उनकी एक अदद बेटी भी है। हमेशा अपनी धुन में रहता है वह आदमी। भाई बस नाम का है, अपना घर बीवी-बच्चे इनसे कोई फुरसत मिले तो पूछेगा न तुमको, कैसी हो बहना, ससुराल में सब ठीक तो चल रहा है न ?

क्या हुआ गहना, बोलो बेटा? माँ .....!
गहना- प्लीज़ रुकोगी? मैं कुछ बोलूं। हां, बताओ।
मां, मुझे मां नहीं बनना।
क्यों? चार साल हो गए हैं शादी को और फिर भी तुम्हे मां क्यों नहीं बनना?
मुझे नहीं पसंद मम्मा, प्लीज़।
क्या नहीं पसंद?
माँ बनना नहीं पसंद, मुझे मम्मा। मैंने अपनी शादी के पहले ही समीर से यह बात कर ली थी। वह इस बात पर राजी था। पर अब उसके घर वाले उसे बहुत फ़ोर्स कर रहे हैं कि चार साल हो गए बच्चा क्यों नहीं कर रहे हो। इन्फेक्ट मेरी मदर इन लॉ तो मुझे और समीर को जबरदस्ती डॉक्टर के पास भी ले गयी। उनकी जिद इतनी ज्यादा थी कि हमें जाना पड़ा डॉक्टर के पास।
क्या कहा डॉक्टर ने ?
डॉक्टर ने क्या कहना था, उसने रेगुलर चेकअप किया और बताया कि दोनों नार्मल है, कुछ प्रोटेक्शन यूज़ कर रहे हैं इसलिए कंसीव नहीं हो रहा है बस। मेरी सास समीर की तरफ ये बड़ी-बड़ी आंखें फाड़ कर देखने लगी जैसे कि डॉक्टर न होती तो वह शायद एकाद थप्पड़ तो जड़ ही देती।

समीर बिल्कुल कुछ भी नहीं बोला, न वहां, न रास्ते में और न घर आकर। उसने किसी भी तरह से बात की सच्चाई नहीं बताई। अब मम्मा बताओ, यह चीटिंग हुई कि नहीं ?
गहना, तुम मुझे एक बात बताओ कि तुमको मां ही नहीं बनना, यह बात तुमने मुझे तो नहीं बतायी?
मम्मा, छोड़ो! तुमको यह बात बताकर क्या करती मैं? तुमको तो मेरी शादी कर के अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना था? क्या तुम कभी समझ सकती थीं मेरी इस बात को ?
पर तुमको परेशानी क्या है बेटा? शादी के बाद तो मां बनना, तुमसे तुम्हारे मैके वालों से लेकर ससुराल वालों का बच्चा होने की उम्मीद रखना, मुझे तो कुछ गलत नहीं लगता इसमें ? सभी को करना ही पड़ता है यह? बच्चा न होने वाली औरत और उस पूरे परिवार को ही समाज बड़ी बुरी नजर से देखता है बेटा समझो !
मम्मा, कौन सा समाज? वही, उनके हमारे रिश्तेदार आजू बाजू अड़ोस- पड़ोस वाले।
सभी लोग जिस बिरादरी में उठना-बैठना होता है वही तो होता है समाज।
मम्मा, प्लीज़ मुझे ऐसे किसी भी समाज की वजह से मां नहीं बनना है। इन्फेक्ट मुझे मां बनना ही नहीं है। ऐसी औरत को लोग बांझ कहते हैं। कहने दो मुझे बांझ। मुझे मां नहीं बनना बस।
समीर क्या कह रहा है? माँ ने पूछा।
समीर क्या कहेगा, बिल्कुल दल बदलू आदमी है। शादी करने से पहले तो बड़ा महान बन रहा था? अगर तुमको नहीं पसंद बच्चे तो हम नहीं करेंगे। और अब.... अब कह रहा है मम्मी-पापा का इतना प्रेशर है। गहना, मुझे समझ नहीं आ रहा क्या करूँ! यह सरासर चीटिंग है मेरे साथ। यह देखो, यह हम दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट।

उसने यह लिखकर दिया है कि उसे भी बच्चा नहीं चाहिए, अब वह मुकर नहीं सकता। माँ- मैं तुम लोगों की जनरेशन की नहीं हूं।
लेकिन गहना, कुछ ज्यादा ही एडवांस नहीं है तुम्हारी जनरेशन? मम्मा, एक लड़का जो शादी करना चाहता है और एक लड़की जो शादी करना चाहती है, दोनों साथ रहना चाहते हैं लेकिन बच्चा नहीं चाहते। इसमें गलत क्या है?
गलत सही कुछ भी मेरी समझ से परे है। अब तुम क्या करना चाहती हो?
कुछ नहीं। उसने कहा। मैं समीर के खिलाफ कोर्ट में केस करना चाहती हूं।
अनुसूया जी बिल्कुल हक्की-बक्की थीं अपनी बेटी का रवैया देखकर। कैसे कोई औरत ऐसी हो सकती है जिसको सच में प्रजनन की चाह ही नहीं है? तुम नौकरी करती हो और तुम खुद कमाती-खाती हो, इसलिए आज तुमको यह लगता होगा बेटा पर हाथ-पैर जवाब देने लगेंगे तब कोई तो सहारा चाहिए होता है न बुढ़ापे में ?
मम्मा, इसका जवाब तो खुद तुम हो, तुम मुझसे क्या जवाब मांगती हो?
कुछ दिन बीत गए। न समीर का फ़ोन आया, न ससुराल से कोई बुलावा आया। गहना रोज नौकरी पर जाती और वापस आती। बाप दारू पीकर तरह-तरह के सवाल करता। कभी-कभी समीर को फ़ोन लगाता पर समीर नहीं उठाता था उनका फ़ोन। फिर गहना को भला-बुरा कहते। एक दिन गहना नौकरी से वापस आयी, तभी पापा दरवाजे में खड़े हो गए और बेटी को कहने लगे 'जाओ अपने घर उल्टे पैर लौट जाओ।' अनुसूया जी बीच में पड़ी और गहना को घर में लिया। पापा भली-बुरी बातें सुनाते रहे।

सुबह जब तैयार होकर गहना निकल रही थी तब माँ ने कहा कि कहीं हॉस्टल में जगह देख लो रहने के लिए, क्योंकि तुम्हारे पापा तुमको यहां जीने नहीं देंगे।
गहना समझ गयी और घर से निकल कर नौकरी की जगह फ़ोन कर दिया कि कुछ इमरजेंसी है इसलिए नहीं आ पाएगी। और अपने लिए एक कमरा तलाशने निकल पड़ी नोएडा जैसी जगह में शाम तक घर तो नहीं मिला कहीं अकेली औरत को। पर हॉस्टल मिल गया। शाम को गयी और सारा सामान उठाकर ले आयी। हॉस्टल में नौकरी करने वाली स्त्रियां विशेषकर रहती थी वहां। गहना ने वकील को अपना केस बताया। काफी सारे लोगों के लिए तो यह मामला ही अजीब था। इसलिए केस लिया ही नहीं। फिर कोई एनजीओ के थ्रू एक वकील मिल गयी दुर्गा।
दुर्गा के केस लेने के बाद गहना आश्वस्त हो गयी। अब क्या, सिर्फ आश्वस्त होने से काम नहीं बनने वाला था। वैसे भी गहना ने अपनी सारी बातें दुर्गा को बतायीं और यह भी बताया कि मैरिज से पहले इस बाबत दोनों में कॉन्ट्रेक्ट हुआ था। दुर्गा ने देखा कि कॉन्ट्रेक्ट में यह बात साफ-साफ लिखी गयी थी कि गहना को शादी के बाद घर वालों द्वारा भी जबरदस्ती नहीं कि जा सकती। अगर ऐसा हुआ तो उसकी जिम्मेदारी समीर लेगा। समीर ने न जिम्मेदारी ली और न कुछ।

कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ।

सीधे बात से ही मुकर गया। अब दुर्गा ने समीर को कोर्ट का नोटिस दिया। समीर ने सपने में भी नही सोचा था कि गहना उसे कोर्ट में खींचेगी। फिर क्या? समीर को भी कोर्ट का सामना करना पड़ा। उसकी तरफ से उसने एक वकील कर लिया था। यह एक अनोखा और अजीब-सा केस कोर्ट में पेश हुआ। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जज ने पूछा- लेकिन हर्ज क्या है आपको मां बनने में?
मुझे हर्ज है इसलिए तो हम बात कर रहे हैं न? समीर के वकील ने गहना से कहा, देखिए मैडम, मामला कोर्ट में टिक नहीं पायेगा इसलिए कह रहे हैं।
गहना- 'तो न टिके मेरी बला से।' नहीं मतलब आपके साइड से कोई केस बन भी गया है तो वह टिकेगा नहीं कोर्ट में। देखते हैं।
मतलब, आप अपने साथ-साथ अपने पति की भी ऐसी-तैसी करवाओगी? मेरा मतलब मैडम केस वापस ले लो, फिर बाद में मत कहना कि मैंने आपको बताया नहीं।
कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ। आखिर फैसला गहना के पक्ष में हुआ। समीर को कहा गया कि आप अपनी पत्नी को इस तरह से जबरदस्ती अब नहीं कर सकते। जबकि शादी के वक्त ही उसने आपसे कॉन्ट्रेक्ट लिखवाया था। आपने खुशी-खुशी उस पर दस्तखत भी किए हैं। अब किसी के कहने पर या परिवार के कहने पर भी आप उसे बदलवा नहीं सकते। तब तक कि जिसने आपके साथ कॉन्ट्रेक्ट किया है वह खुद कहे कि मुझे कॉन्ट्रेक्ट में बदलाव करना है मैं मां बनना चाहती हूं। समीर और गहना कोर्ट के फैसले के बाद साथ-साथ चल रहे थे कॉरिडोर में। समीर ने गहना को रोका, कहा कि सॉरी मुझसे ही भूल हुई है, मैं अपनी बातों पर कायम नहीं रह पाया। पर अब मैं इस रिलेशनशिप को कंटीन्यू नहीं करना चाहूंगा। तभी गहना ने कहा ठीक है मुझे भी नहीं करना है इस बेईमान रिश्ते को कंटीन्यू। ये पेपर्स हैं, मुझे तुमसे डिवोर्स चाहिए।
समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

संकल्प

जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा
प्रेम-शांति संदेश छोड़ अब रण का बिगुल बजाना होगा

किसी हिमांशी की आंखों से सिंधु जल अब नहीं बहेगा
किसी आरती के सर से अब पिता का साया नहीं उठेगा
यह संकल्प लिए अर्जुन को अब तो शस्त्र उठाना होगा

ऊरी अटैक या पुलवामा दुश्मन ने मुंह की खाई है
कितने सैनिक हमने खोये यह भी कड़वी सच्चाई है
सर से पानी उतर गया अब उनको सबक सिखाना होगा

पहलगाम का सीना छलनी माथे की बिंदिया का क्रंदन
बिलख-बिलख कर कहता है अब राखी के धागों का बंधन
दुश्मन केवल दुश्मन ही है रिश्ता यही निभाना होगा
जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा।

कविता

क्षमा उर्मिला

अकेले ही ढले हैं

जहां सारा हैं अपना हम यही माने चले हैं
परख कर दुख ही तो होगा अनाड़ी ही भले हैं

झुलसने का ना हम को डर लगे खेल अब तो
तपन को बाहों में लेकर अंधेरों में जले हैं

हजारों रातें गहरी चाँद तक तक के ही काटी
उसे मामा ही समझे हम अंधेरे यूं टले हैं

बना कर धर्मों की केंची सियासत पंख काटे
उड़ानें भरते पंछी बस शिकारी को खले हैं

यही होता है सदियों से सुबह के सूरजों का
उगे ओजस्वी किरनों में अकेले ही ढले हैं

निगल जाती है सौ जानें लहर तोड़े किनारे
हुआ ये तब किनारे जब समन्दर को छले हैं।

मुक्तक

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

याद तो दिल खुदा को करता है,
अक्स तेरा ही क्यों उभरता है?
बेखुदी हद से जब गुजरती है,
आदमी इस तरह भी मरता है।

**

आप से प्यार हो गया कैसे ?
यह चमत्कार हो गया कैसे ?
प्यार को मैं गुनाह कहता था,
मैं गुनहगार हो गया कैसे ?

**

जीवन के संघर्षों ने जब भी ललकारा है।
कागज-क़लम ने मुझको दिया सहारा है।
बड़े-बड़े तूफानों से मैं घिरा रहा अक्सर,
इसी नाव ने मुझे हमेशा पार उतारा है।

कविता

दिनेश दिनकर

मेरी आखिरी सांस

तेरे बिन ये सन्नाटा सुन,
मैं तनहाईयों से घिर गई
जब सुनी तेरी आवाज
तो तुझे खोने की अफवाह पिघल गई
हर रोज सपने में तुझे देखती थी
तुझे चूमती थी तुझे पुकारती थी
इक आखिरी ख्वाहिश बची है सीने में
गर भर लूं तुझे बाहों में,
तो इस जहां से छुमंतर हो सकूं
बोलो थामोगे मेरा हाथ
जब तक बची है मेरी आखिरी सांस।

कविता

राज ख्यालिया

वक़्त की कमी है, मगर मिलन की चाहत है बाकी,
दिल में अभी तेरे नाम की लगन है बाकी।

राहों में रुकावट हैं, फासले भी कायम है
फिर भी न जाने क्यों एक आस है बाकी

चाहा तुझे लम्हों में बाँध लूँ साँसों की डोर से,
पर जिंदगी में अब भी कुछ उलझनें है बाकी।

हर मोड़ पर देखा तुझे यादों की सूरत में,
फिर भी न जाने क्यों है आँखें नमी है बाकी...

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

कलमा

थे वो सैलानी भ्रमण पे
काश्मीर के चमन में
झेलम ढल सब निहार ली
पहलगाम की फिर राह ली
छूट ना जाए कोई झील या झरना
क्या मालूम था
छद्म वेश में
आ जाएगा पूछने कोई
क्या आता है पढ़ना कलमा ?

बैसरन वादियाँ
महक रही थी जहाँ
बेशुमार खुशियाँ
इन्सानियत वहाँ शर्मसार हुई
गोली दिल के पार हुई
खून से घाटी लाल हुई
मासूम जिंदगियां
दहशत की शिकार हुई।

पूछ कर नाम शिकार जो बनाते हैं
छुपे नहीं है जो ये आतंक मचाते है
बहा के खून बेकसूर निहत्थो का
मानवता को कलंकित कर जाते हैं।

आंखे हमारी सबकी भले ही नम है
अपनों को खोने का भी गम है
होंसला नहीं हुआ फिर भी कम है
मिटाने का आतंक जड़ से लिया प्रण है
देखा ही कहाँ तुमने अभी हमारा दम है।

कविता

अंजु कपूर गांधी

बेरोज़गार हूं मैं

हां बेरोजगार हूं मैं।
था सुमन ठोकरों से,
बन चुका खार हूं मैं।
जिससे है की पढ़ाई
हुई खत्म वो कमाई
खटता है बाप अब तक
खाली बेकार हूं मैं।
मां मांगती दुआएं
अल सुबहा जब भी जागे
हर दर पे टेके माथा
बांधे मन्नतों के धागे
टूटे नित उम्मीद उसकी
देखूं, लाचार हूं मैं।
खाना परोसा जाता
नहीं बैठ खा मैं पाता
करती सवाल आंखें
रहता दरकिनार हूं मैं ।
थामे डिग्रियों की फाइल
थके पांव रुह है घायल
लगता है लिए घूमता
गर्द और गुबार हूं मैं
ज्वालामुखी धधकता
आक्रोश का है भीतर
कब फूट पड़े लावा
जलता अंगार हूँ मैं।
बेरोजगार हूँ.....

महिला साहित्यकार, कवियत्री एवं लेखिका मीना चौधरी का इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि आज साहित्य अत्यंत रोचक, बहुआयामी और चुनौतीपूर्ण है। तकनीकी प्रगति, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, जिससे साहित्य अब सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा। ब्लॉग, ई-बुक्स, पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों ने नए लेखकों को मंच दिया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

समाज के हित में हिंदी साहित्य को जीवंत रखना जरूरी : मीना चौधरी

साहित्य संवर्धन में जुटे साहित्यकार अलग-अलग विधाओं में समाज को नई दिशा देने के मकसद से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में महिला साहित्यकार मीना चौधरी भी एक कवि के रूप में अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। साहित्य और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए समर्पित लेखन के साथ वह कई साहित्यिक, सामाजिक, उद्यमी जैसी संस्थाओं के साथ जुड़ी हैं।

लेखिका मीना चौधरी ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मकसद गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्यिक व सांस्कृतिक मंचों पर सक्रिय रहकर हिंदी साहित्य को जीवंत और विकासशील बनाए रखना है, ताकि साहित्य और समाज में उनकी सार्थक भूमिका बनी रहे। मीना चौधरी का जन्म 28 मार्च 1971 को जमशेदपुर (झारखंड) में एक मैथिल ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता जमशेदपुर स्थित टेल्को कंपनी में इंजीनियर थे और माता एक समर्पित गृहिणी रहीं। उनका बचपन जमशेदपुर में ही बीता। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लिटिल फ्लावर स्कूल (कॉन्वेंट स्कूल) से हासिल की। उनके परिवार या घर में किसी प्रकार का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उन्होंने अपनी शिक्षा विज्ञान विषयों में की, लेकिन हिंदी भाषा के प्रति उनका एक विशेष लगाव रहा और इसी हिंदी प्रेम के चलते उनकी साहित्यिक रुचि विकसित हुई। स्कूल और कॉलेज के दिनों में कभी-कभार कुछ भावनात्मक लेखन करती थी और उसी दौरान आकाशवाणी से भी जुड़ने का अवसर मिला। हालांकि छात्र जीवन की व्यस्तता के कारण यह साहित्य की रुचि थोड़ा पीछे रही। गृहस्थी में आने के बाद से ही हरियाणा के गुरुग्राम में उद्यम, साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हो गई। साहित्यिक लगाव के कारण उन्होंने लेखन कार्य शुरू कर दिया। वे समाज के विभिन्न पहलुओं पर कविताएं और आलेख लिखती आ रही हैं। उन्होंने बीएससी की शिक्षा के दौरान अपनी पहली रचना लिखी, जो स्थानीय अखबारों में भी प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, जब उनकी रचना रेडियो पर भी प्रसारित हुई। उनका पहला हिन्दी कविता संग्रह 'रस स्रावित' प्रकाशित हुआ, जिसे भाषा सहोदरी हिन्दी के सहयोग से 2019 में प्रकाशित किया गया। जबकि उनका दूसरा काव्य संग्रह 'पैबंद पर सितारे' शीर्षक से पुस्तक के रूप में 2021 में पाठकों के सामने आया। जबकि तीसरा काव्य संग्रह शीघ्र ही प्रकाशित होगा। बकौल मीना चौधरी, वह हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं। उन्होंने 'भाषा सहोदरी हिंदी' सहित कई संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य किया है, जिसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली और उन्होंने मॉरीशस, दुबई और सिंगापुर जैसे देशों में हिंदी को मंच को साझा किया। उनका कहना है कि उनके साहित्य क्षेत्र के सफर में उनके पति, बेटियों और दामाद समेत परिजनों का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन मिला है, जो उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। साहित्य क्षेत्र के अलावा वे सामाजिक सेवा में भी सक्रीय हैं और स्वच्छता जागरण समिति जैसी संस्थाओं से जुड़ी हैं। वहीं वे कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी होने के साथ भाषा सहोदरी की मुख्य संयोजिका हैं और आगमन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला काव्य मंच, गुरुग्राम की महासचिव भी रही हैं। वे खुद के संस्थान इंडसोल एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष भी हैं यानी इंडसोल एंटरप्राइजेज में स्व-नियोजित, उद्यमशीलता की दुनिया में अपनी व्यावसायिक विशेषज्ञता उनके पास है।

एक साहित्यकार के रूप में वह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दुबई और मॉरीशस में मुख्य प्रबंधक रही हैं एवं भाषा सहोदरी पत्रिका की सम्पादक भी हैं। उनका कहना है कि युवाओं को साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि साहित्य न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने के साथ सोचने, समझने और महसूस करने की क्षमता भी बढ़ाता है। ऐसी प्रेरणा युवाओं को अपनी संस्कृति, समाज और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में सहायक होगी।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : मीना चौधरी
जन्मतिथि : 28 मार्च 1971
जन्म स्थान : जमशेदपुर (झारखंड)
शिक्षा : बीएससी, एमबीए
संप्रति : लेखिका, कवि, संपादक, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता (गुरुग्राम क्षेत्र)

प्रकाशित पुस्तकें

लेखिका एवं कवि मीना चौधरी की प्रकाशित पुस्तकों में रस स्रावित, पैबंद पर सितारे और मेरी स्वरचित काव्य संग्रह प्रमुख रूप से शामिल हैं। उनके हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में साँझा संकलन एवं पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं, लघुकथा और लेख भी प्रकाशित हुए हैं। इसके अलावा वे गद्य और पद दोनों साहित्यिक विधाओं में आलेख और रचनाएं लिखती आ रही हैं। वह हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं।

मीना चौधरी

पुरस्कार व सम्मान

मीना चौधरी को साहित्यिक क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो से अनेक सम्मान मिल चुके हैं। इनमें विश्व हिंदी सम्मान दुबई, 'सहोदरी रत्न' मॉरिशस, 'शब्द मनीषी सम्मान', विविधता में एकता राष्ट्रीय सम्मान, आगमन तेजस्विनी अवार्ड, रंग राची सम्मान, स्वर लहरी सम्मान, प्रेरणा पीढ़ी पुरस्कार, भाषा सहोदरी सम्मान प्रमुख रुप से शामिल रहे। उन्हें अनेक साहित्यिक मंचों से भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

'हेल्लो ज़िंदगी' में हैं शिक्षा और समाज के सरोकार

पुस्तक : हेल्लो ज़िंदगी
लेखक : विनय मोहन खारवन
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : समदर्शी प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

सेवानिवृत प्राध्यापक व इस पुस्तक के लेखक विनय मोहन खारवन की प्रतिभा निरंतर समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं में चमकती रही है। उनके लघुकथा संग्रह 'हैल्लो ज़िंदगी' शीर्षक ही स्पष्ट करता है कि लेखक अपनी रचनाओं में ज़िंदगी के साथ सीधा संवाद कर रहा है।

अपने समृद्ध अनुभवों और समझ के आधार पर जीवन के विविधि पहलुओं, घटनाओं और संबंधों को अपनी लघुकथाओं के जरिये परख रहा है। लेखक रोजमर्रा के जीवन की छोटी से छोटी घटना को लेता है और सीधे-सरल शब्दों में कथा कहते हुए मर्म की बात कह जाता है। लघुकथाएं विसंगतियों व विडंबनाओं की तरफ संकेत भी करती हैं और प्रहार भी करती हैं। लेखक का मत है कि 'रिटायरमेंट जिंदगी को हैलो कहने का समय होता है।' लेखक का संबंध शिक्षा से रहा है। यही कारण है कि समीक्ष्य संग्रह में उनके शैक्षिक सरोकार अनेक लघुकथाओं में दिखाई देते हैं।

'शोषण' व 'आज का एकलव्य' लघुकथाएं इसी विषय पर केंद्रित हैं। 'आज का एकलव्य' लघुकथा में तीस साल से निजी स्कूल में पढ़ा रहे अध्यापक की दयनीय दशा को दिखाया गया है। 'पैसा और पढ़ाई' में पढ़ाई के प्रति अमीर लोगों का दृष्टिकोण उजागर होता है, जिसमें वे पढ़ाई से ज्यादा पैसे को तरजीह देते हैं। संग्रह में सरकारी स्कूलों का चित्रण भी है। 'ज़मीर' लघुकथा में बीस लाख रुपये के अनुदान पर प्रिंसिपल अपने जमीर को दरकिनार करके मन की इच्छाओं को तरजीह देता है। 'प्रैक्टिकल' में कॉलेज के अध्यापक की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में लालच की प्रवृत्ति उजागर होती है। 'नकल' लघुकथा में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सुपरवाइजर द्वारा नकल का धंधा करने और उड़नदस्ते के एक सदस्य द्वारा इसकी उपेक्षा करते हुए सुपरवाइजर के साथ दोस्ती निभाने की अपराधपूर्ण स्थिति को दर्शाया गया है। 'सिलसिला' में ऊपर से नीचे तक चलने वाले धमकी व डर के सिलसिले के बाद बिना किसी सार्थक उद्देश्य से बजट खर्च करने के लिए होने वाले सेमिनारों की कड़वी सच्चाई सतह रूप में उजागर कर दी गई है। शिक्षा कैसे अंकों की होड़ में तब्दील हो गई है, इसे 'ज़िंदगी के नंबर' और 'खुशी का प्रतिशत' में दिखाया गया है। लेकिन 'ज़िंदगी के नंबर' में परीक्षा के अंकों को देखने का सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की सीख दी गई है। संग्रह की अनेक लघुकथाएं हृदय स्पर्शी हैं और सवाल खड़े करती हैं। पहले संग्रह के लिए लेखक को हार्दिक बधाई।

खबर संक्षेप

शिविर में 165 लोगों के बीपी व शुगर की जांच

भिवानी। अग्रवाल परिवार द्वारा चौ. बंसीलाल पार्क में बीपी व शुगर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 165 लोगों के बीपी व शुगर की जांच की तथा उन्हें स्वस्थ रहने का संदेश दिया। नरेश मीनू अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सेवा में अग्रवाल परिवार हमेशा तैयार रहेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री स्व. रामभजन अग्रवाल ने शहर की जनता की सेवा के लिए जो योजनाएं चलाए थी। अग्रवाल परिवार उसे आगे बढ़ा रहा है। नंदकिशोर अग्रवाल ने बताया कि स्व. रामभजन अग्रवाल की नीति को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल परिवार गर्मी के मौसम में पीने के पानी के टैंकर भेज रहा है ताकि कोई भी व्यक्ति प्यास न रहे।

पूर्व जिलाध्यक्ष परमार की माता का निधन

चरखी दादरी। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष व रोहतक के जिला प्रभारी सत्येंद्र परमार की माता अत्तरबाई का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सांजरवास में किया गया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने स्व. उत्तरबाई को श्रद्धांजलि दी।

स्वर्गीय उत्तरबाई को श्रद्धांजलि देने के बाद प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने बताया कि श्रीमती उत्तरबाई बेहद ही निर्मल व शांत स्वभाव की महिला थी। उन्होंने कहा कि श्रीमती उत्तरबाई ने अपने जीवन में ग्राम स्तर पर अनेक सामाजिक कार्य किए,लोग उनके सरल, सहज व शांत स्वभाव से काफी प्रभावित थे।

मानान पाना में मनाई भगवान नरसिंह जयंती

भिवानी। मानान पाना प्राचीन होलिका दहन मैदान में भगवान नरसिंह अवतार की जयंती मनाई गई। इस दौरान भजन संध्या में मोहल्ले की महिलाओ और भजन मंडली ने सुन्दर प्रस्तुतियां दी। भजन मंडली ने अनेक भजन गाए और कुछ महिलाओं ने नृत्य भी किया। सभी ने भगवत भक्ति का रसपान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीश्री 1008 गोमती गिरी अखाड़ा मन्दिर के महन्त नरेन्द्र गिरी ने की। इसके बाद हवन यज्ञ किया और प्रसाद का वितरण किया। कार्यक्रम में भक्तों ने यज्ञ में आहुति दी। इस अवसर पर शिवकुमार जांगड़ा, प्रमोद कुमार, दीपक कौशिक, अंशुल लोहिया, विकास शर्मा, अशोक कुमार मिश्र, महिमा मिश्रा, पिंकी, प्रीती, स्वीटी बोंदिया , मोहित, रुद्र आदि उपस्थित रहे।

दमकोरा का निधन लोगों ने जताया शोक

लोहारू। किसान नेता कमल सिंह दमकोरा का बीते दिवस हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लगभग 67 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव दमकोरा में किया। वे अपने पीछे नाती पौत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बता दें कि कमल सिंह दमकोरा अनेक किसान संगठनों से जुड़े हुए थे, किसान आंदोलनों में हमेशा सक्रिय रहते थे। उनके निधन पर भाकियू के जिला प्रधान मेवासिंह आर्य, किसान सभा के दयानंद पूनिया, बलबीर सिंह ठाकन, भाकियू खंड प्रधान रवींद्र कस्वां, पृथ्वी सिंह गोठड़ा आदि ने कहा कि कमल सिंह दमकोरा किसानों की हितों की लड़ाई के लिए सदैव तत्पर रहते थे। उनके निधन पर आजाद सिंह, प्रकाश दमकोरा, सूबेदार दरिया सिंह, कर्ण सिंह सांगवान, अमर सिंह मंडीवाल, चरण सिंह सांगवान, सुरेंद्र सांगवान, जगदीश सांगवान सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने शोक प्रकट किया है।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक आज

जींद। डीआरडीए हॉल में सोमवार को जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्षता शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे। बैठक में 18 शिकायतें समाधान के लिए रखी जाएंगी। होटल की आड़ में वेश्यावृति का मामला मंत्री के समक्ष उठेगा।

जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में मातृ दिवस पर मातृशक्ति का विशेष यज्ञ

सैनिकों की सलामती व देश में शांति की प्रार्थना

देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीरों के पीछे मां की प्रार्थना की अटूट शक्ति: चरणदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्र की सेना, सीमा एवं सिंदूर की सलामी की कामना के उद्देश्य से युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा भगवान नरसिंह जन्मोत्सव एवं भगवान बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में चार दिवसीय पूजा, प्रार्थना एवं अराधना कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए अधिवक्ता धीरज सैनी एवं दिनेश दधीच ने बताया कि चार दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे दिन रविवार को मातृ दिवस के उपलक्ष्य में मातृ शक्तियों ने भाग लिया तथा भारतीय सेना के जवानों की सुरक्षा और सफलता के लिए विशेष यज्ञ व प्रार्थना की। इसके साथ ही भगवान से कामना की कि पूरे विश्व में सुख एवं शांति का माहौल बना रहे।

कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है। महंत चरणदास ने कहा कि इस विशेष यज्ञ में अनेक माताओं ने भाग लिया। कुछ माताएं ऐसी थी, जिनके बेटे सेना में तैनात है तो कुछ ने अपने मातृभाव से समूचे देश के सैनिकों को अपना पुत्र मानकर यज्ञ में आहुति दी। उन्होंने कहा कि प्रार्थना में माताओं ने सिर्फ सैनिकों की सुरक्षा की नहीं, बल्कि उनके मानसिक बल, निर्णय शक्ति और देश के प्रति उनके सेवा भाव की भी कामना की। इस आयोजन का उद्देश्य एक संदेश देना हैं कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीरों के पीछे अदृश्य अटूट शक्ति खड़ी है, वो मां की प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि आयोजन न केवल आध्यात्मिक श्रद्धा का प्रतीक था, बल्कि मातृत्व की उस शक्ति का प्रतीक भी बना, जो अपने बच्चों की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है, चाहे वो सीमा घर की हो या देश की। आयोजन ने ये भी सिद्ध कर दिया कि मातृत्व सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। जब बात देश के सपूतों की हो तो हर मां भारत मां का ही रूप बन जाती है।

इस अवसर पर विद्या देवी, सरोज कौशिक, मुस्कान वर्मा, मंजू, रूपवती देवी, बिमला देवी, मेवा देवी, जानकी, सावित्री, जगवंती, कमलेश, रेखा, बाला, संतोष, चंदा देवी, बेबी व कमला आदि मौजूद रही।

भिवानी। जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में एकत्रित महिला शक्ति।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाएं

भिवानी। मातृ दिवस पर रविवार को स्वास्थ्य संगठन ढाणीमाहू द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं को महिला शक्ति और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर संगठन की संरक्षक एडवोकेट मुकेश ढ़ाणीमाहु ने शहर में विभिन्न स्थानों पर महिलाओं को जागरूक किया, जिसमें अनेक महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, शिक्षा व संपत्ति में महिलाओं के अधिकार जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। एडवोकेट मुकेश ढ़ाणीमाहु ने कहा कि मां सिर्फ एक परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्ति है। महिलाओं को अपने अधिकारों और कानून संबंधी जानकारी अवश्य होनी चाहिए, तभी वे सशक्त बन सकती है। आज की महिला सिर्फ घर की नहीं, कोर्टरूम की भी ताकत है। हमें अपनी बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना होगा। इस आयोजन में उपस्थित महिलाओं को कानूनी सहायता और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई।

हमारी पहली गुरु ही होती है मां

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस पर सेवा भारती द्वारा खाकी बाबा मंदिर में खाकी बाबा महिला सिलाई केंद्र में सेवा भारती जिला भिवानी इकाई एवं केशव कला विकास एवं अनुसंधान समिति ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं मां भारती के समक्ष सेवा भारती के संरक्षक सोमनाथ एवं जिलाध्यक्ष मनोहरलाल ने द्वीप प्रज्ज्वलित करके की। इसके तत्पश्चात सभी ने तीन बार गायत्री मंत्र का जाप किया। संस्कार भारती की पूर्व सचिव सरोज कौशिक ने सभी को मातृ दिवस की विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया में मां से बढ़कर कोई नहीं है, हम कितना भी कुछ कर लें, लेकिन मां का बदला नहीं उतार सकते। इस मौके पर स्टैंड विद नेचर की कार्यकर्ता विद्या देवी ने मां को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि हमारी पहली गुरु मां ही होती है।

महिलाओं को अपनी शक्ति व अधिकारों को पहचाना होगा

भिवानी। कार्यक्रम का द्वीप प्रज्वलित करके शुभारंभ करती ब्रह्माकुमारीज व अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आधुनिकता के युग में महिलाओं को अपनी शक्ति व अधिकारों की पहचान होना बहुत जरूरी है। आज के युग में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं, वे हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं, ये बात मातृत्व दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने कही। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी व कमांडर व्योमिका सिंह महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी है। उन्ही के प्रयासों से आतंकवाद को आगे बढ़ने से रोका जा सका है। इसके साथ-साथ उन्होंने महिलाओं को आध्यात्म से जुड़ने का भी संदेश दिया। इस अवसर पर बीके आरती, डॉ. रीटा गुप्ता, सुमन शर्मा, निर्मला जैन, मीडिया कॉर्डिनेटर बीके धर्मवीर व अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

मां ही घर परिवार की धुरीः बीके वसुधा

- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में हुआ मातृ दिवस पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मां ही बच्चों की नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास की प्रथम गुरु तथा घर परिवार की धूरी है। मां हमारे लिए सुरक्षा कवच की तरह होती है, क्योंकि वो हमें सभी परेशानियों से बचाती है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में मातृ दिवस पर सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि मां कभी अपनी परेशानियों का ध्यान नहीं देती और हर समय बस हमें ही सुनती है। बच्चों को संस्कारवान बनाने में और परिवार को स्वस्थ व सुखी बनाने में मां की बहुत बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि समूचा परिवार उसके चारों तरफ घूमता है।

ब्रह्माकुमारी वसुधा ने कहा कि वर्तमान परिवेश में मां की भूमिका बहुत बड़ी है, क्योंकि मां, बेटी, बहू व सास आदि का पार्ट निभाती है, इसलिए स्वस्थ व सुखी परिवार तभी रह सकता है जब एक मां मानवीय मूल्यों से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि परिवार का नैतिक व चारित्रिक उत्थान में मां बहुत बड़ा रोल अदा कर सकती है और तभी हम एक सुखी परिवार की कल्पना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्था जिसका संचालन माताओं बहनों के हाथ में है। घर परिवार के साथ साथ समूचे समाज को आध्यात्मिक नैतिक चारित्रिक व मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण बना भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने में लगी हुई है। झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि आज ईर्ष्या द्वेष घृणा के कारण हमारे आपसी रिश्तो में गिरावट आ रही है, घर परिवार टूट रहे हैं दुःख अशांति परेशानियां बढ़ रही है, जो एक चिंता का विषय है, जिसका मूल कारण हमारी आंतरिक शक्तियों की कमी है।

उन्होंने कहा कि अगर परिवार को स्वस्थ और सुखी बनाना चाहते हैं। तुम महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण के साथ-साथ आध्यात्मिक सशक्तिकरण होना चाहिए, क्योंकि अध्यात्म ही शांति, प्रेम, आनंद, पवित्रता का पाठ पढ़ा आपसी रिश्तो को मजबूत बनाता है, जिसकी वर्तमान में आवश्यकता है।

भिवानी। मातृ दिवस पर जागरूकता रैली निकालती बीके बहनें।

सीजफायर का उल्लंघन कर पाकिस्तान ने फिर दिखाया भारत विरोधी चेहरा : रेखा राघव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- पाकिस्तान की भारत को लेकर हमेशा से मानसिकता छोटी रही है तथा उसकी इस मानसिकता में कभी बदलाव नहीं आ सकता।

पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेत्री रेखा राघव ने कहा कि पाकिस्तान की हरकतें हमेशा भारत की शांति एवं एकता के भाईचारे को तोडऩे में भारत में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने की रही है, जिसका हर बार भारत के वीर सपूतों ने मुंहतोड़ जवाब दिया है।

अबकी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को उसकी आतंकवादी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए उसे घुटने पर लाने का काम किया, जिसके बाद दोनों देशों में सीजफायर पर समझौता हुआ, लेकिन पाकिस्तान ने सीजफायर के मात्र 3 घंटे में इसका उल्लंघन कर एक बार फिर से भारत विरोधी होने का प्रमाण दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की भारत को लेकर हमेशा से मानसिकता छोटी रही है तथा उसकी इस मानसिकता में कभी बदलाव नहीं आ सकता। ऐसे में अबकी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय सेना को इसका कड़ा जवाब देना चाहिए, ताकि आतंकवादी देश पाकिस्तान की इस प्रकार की कायराना हरकतों का स्थायी समाधान निकाला जा सकें।

रेखा राघव ने कहा कि भारत ने हमेशा से शांति एवं भाईचारे को प्राथमिकता दी है, लेकिन इस प्रकार की आतंकवादी गतिविधि का हमेशा से भारत ने मजबूती से जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब मजबूत एवं सशक्त देश है तथा भारत विरोधी ताकतों को यह बात समझनी चाहिए कि भारत अब किसी मोर्चे पर भी आतंकवाद से समझौता नहीं करेगा।

हरियाणा की धरती से सुनाई देती जय जवान, जय किसान की गूंज : सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज गांव सारंगपुर पहुंचकर पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर में मातृभूमि की सेवा का कर्तव्य निभाते हुए शहीद अमित सांगवान के घर गए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवारजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती से जय जवान, जय किसान की गूंज सुनाई देती है। आज दुःख की इस घड़ी में पूरा देश अपने शहीद अमित के परिवार के साथ खड़ा है।

दीपेंद्र ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पोषित करने वाला देश घोषित हो चुका है। पाकिस्तान किसी भी भरोसे या विश्वास लायक देश नहीं है। पहलगाम की आतंकी घटना के बाद विपक्ष ने अपना पूर्ण समर्थन देश की फौज और देश की सरकार को दिया, अब युद्ध विराम के बाद सरकार से आग्रह है कि सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, जिसमें प्रधानमंत्री स्वयं भी मौजूद रहें। इसके साथ ही संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए ताकि उसमें एक स्वर में सभी देशवासी हमारी सेना के पराक्रम व शौर्य का आभार व्यक्त कर सकें और पूरी दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ एक संयुक्त संदेश जाए। आतंक को जड़ से समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए और आगे क्या कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान विधायक राजबीर फरटिया, पूर्व विधायक राव दानसिंह, पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, मनीषा सांगवान, प्रदीप नरवाल, अमन डालावास आदि मौजूद रहे।

चरखी दादरी। शहीद अमित सांगवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते दीपेन्द्र हुड्डा। फोटो: हरिभूमि

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित करते हैं जांच शिविर

- देश की स्थिति व भारतीय सेना को और अधिक मजबूत करने में एक राष्ट्र-एक चुनाव समय की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हालु मौहल्ला स्थित वाल्मीकि बस्ती की वाल्मीकि धर्मशाला में रविवार को लाइफ लाइन मल्टी स्पेशयलिटी अस्पताल एवं भगवान वाल्मीकि जनकल्याण ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में 200 से अधिक मरीजों की बीपी, शुगर सहित अन्य सामान्य बीमारियों की निःशुल्क जांच कर उन्हे निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई। इसके साथ ही उन्हे आयुष्मान योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर भगवान वाल्मीकि जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्य शिवराज बागड़ी ने कहा कि आज जिस प्रकार से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, उसके कारण रोजान नई बीमारियां जन्म ले रही है। ऐसे में लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में और भी अधिक सचेत रहने की आवश्कता है। क्योंकि कई बार बीमारियों के प्रति छोटी से नजरअंदाजी भविष्य में बड़ा खतरा बनकर सामने आ सकती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए जागरूक करते है। इस मौके पर भगवान वाल्मीकि जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्य शिवराज बागड़ी ने भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देश की स्थिति और भारतीय सेना की मजबूती के लिए देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव को देशहित में समय की मांग बताया तथा कह कि यदि भारत में एक राष्ट्र-एक चुनाव लागू होता है तो इससे बार-बार चुनाव में होने समय व धन बचत होगी, जिससे वह रूपया देश की तरक्की व मजबूती में लगाया जा सकेगा तथा देश विपरीत परिस्थितियों में और भी मजबूती से डटकर सामना करने में और अधिक सक्षम नेगा। इस अवसर पर हरिप्रकाश बागड़ी, शिवराज बागड़ी, सूरज चावरिया, सोनू सैनी, नीरज बागड़ी, नवीन कागड़ा, पवन बागड़ी, रतन तंवर, अशोकी, राजेश, दारा, सत्यनारायण बागड़ी, राजेंदर, सोनू टांक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भिवानी। मेडिकल कैम्प में मरीजों की जांच करते हुए।

बच्चों ने गीत जन्म-जन्म का साथ है हमारा तुम्हारा पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया

बच्चों ने माँ तू कितनी अच्छी है...से बांधा समां

भिवानी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देते प्रतिभागी व कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देते प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आदर्श विद्या मंदिर भिवानी में 11 मई 2025, रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके हुई। विद्यालय के निर्देशक सत्येंद्र सिंह, प्रबंधक शमशेर सिंह और प्रधानाचार्या डॉ तरंग गौड़ ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा अभिभावकों का हृदय से स्वागत किया। कार्यक्रम का आरंभ नन्हे-मुन्ने केजी कक्षा के बच्चों के मनमोहक नृत्य से हुआ। छोटे-छोटे बच्चों ने गीत जन्म-जन्म का साथ है हमारा तुम्हारा पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में और कई रंगारंग गतिविधियाँ हुईं। कक्षा प्रथम और द्वितीय के बच्चों ने माँ तू कितनी अच्छी है गीत पर नृत्य कला के साथ पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने चंदा रे चंदा पर, कक्षा सातवीं के बच्चों ने याद आती है माँ पर, कक्षा छठी के बच्चों ने स्किट के माध्यम से और कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने जन्म-जन्म का साथ है गीत पर और रिमिक्स पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

यह सच है कि जिंदगी की पहली शिक्षक मां होती है, पहली दोस्त भी माँ होती है क्योंकि जिंदगी देने वाली भी मां होती है। इसलिए मां को सर्वोपरि बताया गया है। बच्चों के अनुसार मदर्स डे के लिए शुभकामनाओं के संदेश के साथ-साथ माँ के स्वास्थ्य की शुभकामना करना उनके लिए सच्चा तोहफा है क्योंकि माँ हर घर के दिल की धड़कन होती है।

सेना ने दिया आतंकवाद को पनाह देने वालों को करारा जवाबः जेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

प्रदेश के पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि देश के मजबूत नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकवाद को पनाह देने वाले दुश्मन देश को करारा जवाब दिया है। देश की सेना के बहादुर जवानों ने यह सिद्ध कर दिखाया है कि जो भी भारत की तरफ आंख उठाकर देखेगा तो सेना उसे उसके घर में घुसकर मारेगी। उन्होंने कहा कि मातृत्व दिवस पर वे माताएं बधाई की पात्र है जिन्होंने देश सेवा के लिए अपने जिगर के टुकड़े को देश की सीमा पर तैनात कर रखा है।

वे रविवार को हरियावास गांव में जिला पार्षद रविन्द्र मंढ़ोली द्वारा आयोजित पानी टैंक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में वार्ड नंबर 18 की 10 ग्राम पंचायतों को जिला परिषद कोटे से मिले पानी के टैंकर बांटे गए। मुख्यातिथि जेपी दलाल ने कहा कि भाजपा सरकार जनहितैषी सरकार है जिसकी सोच में अंत्योदय की भावना है। केन्द्र व प्रदेश सरकार गरीब, किसान व कमजोर वर्ग के उत्थान व विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमजोरी थी। इसलिए, हम सीमा पार के आतंक को सहते रहे और अपने जवानों की आहुति देते रहे। पर, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ में सत्ता आने के बाद आतंकवाद पर लगाम लगी है। आतंकवाद के हर हमले का जवाब मिला है।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित लोगों को संबोधित करते पूर्व मंत्री जेपी दलाल।

खबर संक्षेप

महाराष्ट्र का अलशकब घोड़ा रहा प्रथम

भिवानी। गांव भानगढ़ में बेगराज यादव की याद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर स्तर की घुड़दौड़ प्रतियोगिता का समापन हो गया है। प्रतियोगिता का आयोजन यादव कुल के महिपाल यादव, भूपेंद्र यादव और कृष्ण यादव ने किया। प्रतियोगिता में मुंबई, बिहार, राजस्थान और पंजाब सहित देश के विभिन्न राज्यों से घोड़े-घोडियों ने भाग लिया। महिपाल यादव ने बताया कि उनके पिता बेगराज यादव घोड़े के बड़े शौकीन थे और उनकी याद में हर साल यह प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र के अलशकब घोड़े ने पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर बिहार की एकता एक्सप्रेस घोड़ी रही। तीसरे स्थान पर खुशीराम की बिजली घोड़ी रही।

निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया

भिवानी। डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल भिवानी में हमारा अपना फाउंडेशन के तत्वावधान में डॉ. कपिल शर्मा (त्रिवेणी डेंटल) के संरक्षकत्व में एक शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में अत्याधुनिक ए आई रोबोट मशीन द्वारा बच्चों के दाँतों की जाँच की गई और दंत स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल और नियमित चिकित्सा का परामर्श दिया गया।इस शिविर का लाभ नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। शिविर के उपरान्त विद्यालय प्राचार्या कुसुम शर्मा ने शिविर आयोजकों का आभार प्रकट करते हुए बताया कि दांतों का हमारे स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान है। भोजन के पाचन की प्रक्रिया दांतों से ही आरंभ होती है।

मातृ दिवस पर मां को दिया स्वर्ण पदक का तोहफा

भिवानी। बहादुरगढ़ में 9 से 11 मई तक हुई तीसरी हरियाणा सब जूनियर वुशु स्टेट चैंपियनशिप में हनुमान गेट रेलवे फाटक क्षेत्रवासी कवि सूरजभान अजायब के पौत्र युवराज बामणिया ने एक बार फिर से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किया है तथा मातृ दिवस पर अपनी माता को स्वर्ण पदक का तोहफा दिया है। युवराज की उपलब्धि से खेलप्रेमियों में उत्साह है।

बवानी खेड़ा के बिचला मार्ग पर आए दिन एक्सीडेंट

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के हाँसी भिवानी बिचला मार्ग पर आए दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं. एक्सीडेंट का कारण डिवाइडर के बीच में लगाए गए ऊंचे ऊंचे एंगल है जिससे वहां क्रॉस करते समय वाहन चालकों को यह सामने वाला व्हीकल दिखाई नहीं देता इसके अलावा वाहन चालक अपनी स्पीड पर भी काबू नहीं करते जिसके चलते रविवार को भी नगर पालिका कार्यालय व वीओ के० फोटो स्टेट के सामने तीन एक्सीडेंट हो गए. दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें दोनों को गंभीर हो गए। लोगों का मानना है कि वाहन चालक अपने वाहन की स्पीड पर नियंत्रित नहीं रहते और तेज स्पीड से वाहन चलाते हैं वहीं बाईपास रोड बंद होने के कारण सभी वहां इस अंदरूनी मार्ग से आवागमन कर रहे हैं जिसके कारण एक्सीडेंट की समस्या हो रही है।

जेसीआई डायमंड की महिला इकाई ने मनाया मातृ दिवस

भिवानी। जेसीआई भिवानी डायमंड की महिला इकाई द्वारा मातृ दिवस पर रविवार को बैंकेट हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में माताओं और सासुओं को सम्मानित कर उनके त्याग, स्नेह और योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का निर्देशन उमा गोयल, सरिता डालमिया, नीलम सुगला, शिवा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में सदस्यों ने अपनी माताओं और सासुओं के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, माताओं के लिए खेल और सम्मान समारोह का आयोजन किया। सभी माताओं को स्मृति चिह्न और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

आढ़ती बोले, प्रशासन उठाने को नहीं तैयार, अधिकारियों का रुख ढुलमुल

बवानी खेड़ा में बारिश के कारण 30-40 हजार क्विंटल गेहूं हुआ खराब

लगभग डेढ़ लाख क्विंटल गेहूं ट्रकों व अनाज मंडी में। डीएम बोले, दो तीन दिन में हो जाएगा उठान

बवानीखेड़ा। मंडी में खराब गेहूं दिखाते आढती व गेहूं उठान की मांग को लेकर धरने पर बैठे आढती। *फोटो: हरिभूमि*

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा अनाज मंडी में विभाग द्वारा गेहूं उठान न करने को लेकर आढ़तियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया जिसको लेकर आढ़तियों ने शांति धरना प्रदर्शन किया। आढ़तियों में सुखबीर थोरी, राजू हंस, अंकित, कुलदीप डाबडिया, जीतू बलियाली, लाली, गोलू, महेन्द्र, पितराम, मांगे सिवाड़ा, दिनेश, पृथ्वी भुरटाना, मोहित यादव आदि आदि ने बताया कि एफसीआई ने खरीद की जिम्मेवारी वेयरहाउस व हैफेड के जिम्मे लगाई। एफसीआई गोदाम में 9 लाख कटटे आए जबकि एफसीआई के पास 2 लाख कटटों का स्टॉक है। हालिया 7 लाख कटटे मौजूद है जिसके लिए एफसीआई ने कोई इंतजाम नहीं किया। अनाज मंडी में लगभग 30-40 हजार क्विंटल गेहूं बारिश की भेंट चढ़ गया।

आज भी ढाई से तीन लाख कट्टा पैडिंग है मंडी में

अनाज मंडी में आढ़तियों की मानें तो रविवार तक ढ़ाई से तीन लाख कटटा पेंडिग है। जिसमें एजेंसियों ने कोई रिस्पांस नहीं दिया वहीं एफसीआई ने एजेंसियों को गेहूं के उठान के लिए कोई आदेश नहीं दिया। गेहूं उठान की धीमी प्रकिया के लिए व नष्ट हुए गेहूं का जिम्मेवार एफसीआई, वेयरहाउस, हैफेड, ठेकेदार आखिर कौन जिम्मेदार है। ये सवाल खड़ा हो गया है। आखिर ये नुकसान किसके जिम्मे मढ़ा जाएगा। आढ़तियों की मानें तो एफसीआई डीएम हिसार को एजेंसियों को उठान के लिए आदेश देना चाहिए था ताकि समय पर गेहूं का उठान हो जाता। धीमी उठान प्रक्रिया को लेकर आढ़तियों को गेहूं खुले में डालना पड़ा और गेहू बारिश की भेंट चढ़ गया।

मंडी में आढ़तियों ने किया शांति रोष प्रदर्शन

अनाज मंडी में आढ़तियों ने अनाजमंडी मुख्य गेट के सामने बैठकर शांति से रोष प्रदर्शन करते हुए बताया कि यदि प्रशासन ने गेहूं खरीद व उठान को लेकर सही रूख नहीं अपनाया तो वे कड़ा रूख अपनाने को मजबूर होंगे। वहीं उन्होंने बताया 2 लाख कटटा एफसीआई गोदाम में लगना था तो 7 लाख कटटे का उठान क्यों नहीं उठान करवाया गया। जो माल खराब हो गया उसकी अदायगी एफसीआई, वेयरहाउस, हैफेड या ठेकदार कौन करेगा। आढ़तियों ने इसकी जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

दो तीन दिन में हो जाएगा समाधान

एफसीआई हिसार के डीएम सौरभ पोरवाल ने बताया कि उनके द्वारा वेयरहाउस व हैफेड को गेहूं उठान के आदेश दिए हुए हैं और समय समय पर पत्राचार किया गया है। आगामी दो तीन दिन में गेहूं उठान हो जाएगा और कोई समस्या नहीं रहेगी। ताकि समस्या का समाधान हो सके।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

एक ही वार्ड में होगी मां व शिशु के देखभाल की सुविधा

- एमके हॉस्पिटल ने उठाया महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

एमके हॉस्पिटल भिवानी द्वारा मदर्स-डे के खास अवसर के उपलक्ष में एक विशेष वार्ड मातृ एवं शिशु देखभाल का भव्य शुभारंभ किया गया है। इस विभाग की स्थापना महिलाओं और नवजात शिशुओं की संपूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। यहां आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित डिलीवरी रूम , नवजात शिशु देखभाल इकाई एन आई सी यू ,पी आई सी यू ,लेबर रूम ,मोडुलर ऑपरेशन थिएटर ,स्त्री रोग विशेषज्ञों की सेवाएं और पोषण व परामर्श सुविधा उपलब्ध है। महिलाओं और नवजात शिशुओं को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा उनके नजदीक ही मिल सकेगी। इस अवसर पर एमके हॉस्पिटल की यूनिट हेड चांदनी कंचवा ने बताया कि एक महिला के लिए मां बनने का एहसास होता है बहुत खास इस विशेष वार्ड में मां और बच्चों की संपूर्ण देखभाल की जाएगी।

ये रहे मौजूद

विशेष विभाग के शुभारंभ के मौके पर एमके हॉस्पिटल की डायरेक्टर अलका कुमार, हॉस्पिटल यूनिट हेड चांदनी कंचवा, रिटायर्ड असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ इंदु शर्मा, डॉ नीता चावला, प्रोफेसर वंदना वत्स, प्रोफेसर प्रोमिला, जीडी गोयनका डायरेक्टर संगीता वैद व मीनू वैद, एमके हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ रितु शर्मा व डॉ रितु अग्रवाल, डॉ नेहा नेहरा, डाइटीशियन सुमैया खान , क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट राखी एवं हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पंचायत को 24 घंटे निगरानी के दिए आदेश

- जिलाधीश महावीर कौशिक ने पंजाब विलेज एंड स्मॉल टाउन एक्ट 1918 की धारा तीन के तहत जारी की आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जिलाधीश महावीर कौशिक ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी घटना के बाद जिला में जान माल की सुरक्षा को देखते हुए पंजाब विलेज एंड स्मॉल टाउन एक्ट 1918 की धारा 3 के तहत जिला की सभी ग्राम पंचायत को उनके क्षेत्र में आने वाले बिजली घर, दूरसंचार व्यवस्था, जल घर, कैनाल, रेलवे ट्रैक और बस स्टैंड आदि की 24 घंटे निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि पहलगाम की घटना के बाद आमजन को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की सुरक्षा और अधिक बढ़ गई है। इनमें कैनाल, ड्रेन, पुल, रिंग बांध, सड़क मार्ग, रेलवे ट्रैक, बिजली लाइन, टेलीफोन लाइन, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जलघर और अन्य सरकारी भवन मुख्य रूप से शामिल हैं। उन्होंने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे आमजन की सुरक्षा के लिए सड़क, कैनाल, ड्रेन सभी की 24 घंटे निगरानी करवाए।

खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध

प्रशासन ने आवश्यक वस्तुओं व खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगाए हैं। वर्तमान आकस्मिक स्थिति के मद्देनजर जिला भिवानी में आवश्यक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों (जिनमें चावल, गेहूं, दालें, चीनी, खाद्य तेल, सब्जियां, दूध उत्पाद, दवाएं, पेट्रोल और डीजल सहित ईंधन शामिल हैं) की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगाए जाने की आवश्यकता है। आवश्यक वस्तुओं और खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण पर रोक लगाने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निर्देश आवश्यक है। जिलाधीश महावीर कौशिक ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के आधार पर मुझमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संपूर्ण जिला भिवानी में आवश्यक वस्तुओं, दूध उत्पाद, दवाएं, पेट्रोल और डीजल सहित ईंधन शामिल हैं, की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत धारा 163 लागू

जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमले के कारण उत्पन्न वर्तमान परिदृश्य तथा आम जनता की सुरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिला भिवानी में असामाजिक तत्वों एवं आतंकवादी संगठनों द्वारा विस्फोटक पदार्थों, ड्रोन, माइक्रो लाइट एयर क्राफ्ट, ग्लाइडर/पावर ग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, पतंगबाजी एवं चाइनीज माइक्रो लाइट के प्रयोग का खतरा है।

सीजफायर फैसले का समर्थन

- विभिन्न संगठनों ने केंद्र सरकार के फैसले को सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

एमसी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में भारत माता सेवा मंडल, अंतरराष्ट्रीय सनातन परिषद, विश्व क्षत्रिय परिषद के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक केंद्र सरकार द्वारा लिए गए सीजफायर फैसले के समर्थन में मंडल नगर प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश चावला एवं सुभाष छाबड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। परिषद के उपाध्यक्ष अधिवक्ता पदमसिंह चौहान, पूर्णमल शर्मा एवं जिलाध्यक्ष सुरेश वधवा ने कहा कि पहलगाम में मारे गए निर्दोष लोगों का बदला भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकी संगठनों के ठिकानों को ध्वस्त कर उन्हें मौत की नींद सुलाकर ले लिया है। हम देश में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए मोदी सरकार के फैसले युद्ध विराम का स्वागत करते हैं। बैठक में सरदार बलदेव सिंह, धर्मवीर दहिया, महावीर तेनेजा, सुरेंद्र परमार, अंगनाराम हलवाई, धर्मपाल वधवा, रमेश यादव, सुमेर सैनी, बलराज शर्मा, वीरेंद्र कुकरेजा, नरेंद्र बग्गा, भगवानदास, विशम्बर शर्मा, सुनील कुमार, वेदप्रकाश तंवर, यज्ञदत्त, ओमप्रकाश गांधी, जसवंत मदान, बालकृष्ण शर्मा, प्रेम मेहता, सुरेश बजाज व महेश आदि मौजूद रहे।

भिवानी। बैठक में एकत्रित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

मां सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि शक्ति का प्रतीक

- विद्यालय में मातृ दिवस का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

श्री लाल बहादुर शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मातृ दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रांगण को रंग-बिरंगे गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था, और पूरे वातावरण में एक खुशनुमा माहौल था। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और बड़ी संख्या में माताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या सोनिका ढींगड़ा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी माताओं का अभिनंदन किया और उनके त्याग, समर्पण और बच्चों के जीवन में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, माँ सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि प्यार, ममता और शक्ति का प्रतीक है।

आज का दिन हमारी माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। छोटे बच्चों ने अपनी प्यारी आवाज में माँ पर आधारित गीत गाए, जबकि बड़े छात्रों ने भावपूर्ण कविताएं और नाटक प्रस्तुत किए, जिनमें माँ के निस्वार्थ प्रेम और बलिदान को दर्शाया गया। एक छात्र ने अपनी प्रस्तुति में कहा, माँ की ममता की छांव में ही हमें जीवन की हर मुश्किल से लड़ने की शक्ति मिलती है।

कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण वह क्षण था जब छात्रों ने अपनी माताओं को महत्व देने के ऊपर भावपूर्ण नाटक प्रस्तुत किया। कई

बवानीखेड़ा। मातृ दिवस पर कार्यक्रम की प्रस्तुति देते प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

41 दिवसीय परिक्रमा बनी आस्था की मिसाल

- समाजसेवियों व व्यापारियों ने पुष्प वर्षा से किया अढ़ाई कोसी यात्रा का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वृंदावन, मथुरा और बरसाना जैसी पावन धार्मिक नगरियों में परंपरागत रूप से होने वाली कोसी परिक्रमा की ही तर्ज पर छोटी काशी भिवानी में 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी परिक्रमा जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर व युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई। यात्रा मंदिर के महंत चरणदास महाराज के नेतृत्व में निकाली जा रही है। इस 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी परिक्रमा की शुरूआत हनुमान जन्मोत्सव से शुरू की गई थी, जो रविवार को 30वें दिन भी जारी रही। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं व्यापारियों ने अढ़ाई कोसी परिक्रमा का हांसी गेट पर पुष्प वर्षा एवं महंत चरणदास महाराज का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सामाजिक समरसता से भर गया। इसके उपरांत प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर स्वदेशी जागरण मंच से अमित बंसल मुंढ़ालिया ने कहा कि परिक्रमा ने न केवल धार्मिक भावनाओं को प्रकट किया है, बल्कि लोक संस्कृति, भजन-कीर्तन, रासलीला और शंख ध्वनि जैसी पारंपरिक विधाओं को भी पुनर्जीवित किया है। व्यापारी दीवाकर जैन ने कहा कि 41 दिवसीय परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों की पुनःस्थापना का सशक्त माध्यम बन गई है। महंत चरणदास महाराज ने कहा परिक्रमा के प्रति रोजाना भारी तादाद में श्रद्धालु आस्था प्रकट कर रहे हैं। यात्रा के दौरान रोजाना छोटी काशी के सभी 12 ऐतिहासिक दरवाजों के अलावा सभी मंदिरों के दर्शन किए जा रहे है।

भिवानी। यात्रा के दौरान महंत चरणदास का स्वागत करते श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मंच से धीरज सोनी, सुनील तंवर, राजीव मित्तल, रोहित डुडेजा, पंकज गोयल, आशीष गर्ग, जेसीआई से रमेश बंसल, सचिन सिंगला, गोपाल कुम्हारीवाला, अनिल बंसल, संदीप भूत, संदीप गोयल, राजेश बंसल, राजू सोनी, श्याम अग्रवाल, मनीष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दीपक लोहिया मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, दिव्यांगों ने दिखाया दम

एसएस मान एकादश ने राजकुमार एकादश को हराया

- पाकिस्तान ने की छोटी हरकत, भारत जवाब देने के लिए हमेशा तैयार : कपूर
- भारत ने पाकिस्तान को ईंट का जवाब पत्थर से दिया, आगे भी तैयार : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जी लिट्रा वैली क्रिकेट मैदान में फिजिकल चैलेंज क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित चौथी दीपक लोहिया मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का आयोजन दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन व सम्मान के उद्देश्य से हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन बतौर मुख्यतिथि बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने किया तथा अध्यक्षता भिवानी के विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने की। स्वागत अध्यक्ष के रूप में पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया और महासचिव रवि चौहान मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर डिसेबिलिटी एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एसएस मान, पीसीसीएआई कोषाध्यक्ष संजय गोयल, महासचिव राजकुमार सुनसुना, समाजसेवी लक्ष्मण गौड़, सावित्री यादव, टूर्नामेंट मैनेजर शुभम शर्मा, अशोक भारद्वाज व राजू डूडेजा आदि उपस्थित रहे। जोगीवाला शिव मंदिर धाम के महंत वेदनाथ महाराज, बाबा जहरगिरी आश्रम से महंत डॉ. अशोक गिरी महाराज और हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत चरणदास महाराज का सानिध्य रहा। मुकाबला हरियाणा की एसएस मान एकादश और राजकुमार एकादश के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एसएस मान एकादश की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 113 रन बनाए। जवाब में राजकुमार एकादश ने अंतिम ओवरों तक मैच को रोमांचक बनाए रखा। गेंदबाजों के प्रदर्शन के सामने वे लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके और मुकाबला नौ रन से एसएस मान एकादश के नाम रहा।

भिवानी। विधायक कपूर वाल्मीकि व विधायक घनश्यामदास सर्राफ को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक व दिव्यांग खिलाड़ियों से परिचय लेते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

पाकिस्तान ने ओछी हरकत दिखाई

वहीं विधायक वाल्मीकि व विधायक सर्राफ ने कहा कि पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करके छोटी हरकत दिखाई है। भारत किसी भी रूप में कमजोर नहीं है, भारत को आंख दिखाने की हिम्मत यदि पाकिस्तान करेगा तो भारत ईंट का जवाब पत्थर से देने को हमेशा तैयार खड़ा रहेगा। दोनों टीमों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी, मैडल और दीपक लोहिया मेमोरियल कप देकर सम्मानित किया।

डॉ. आर. पी. शर्मा
अस्पताल
सिविल अस्पताल से रिटायर्ड सीनियर सर्जन
सभी आप्रेशन एवं नार्मल डिलीवरी सबसे सस्ते रेट में किए जाते हैं।
सभी आप्रेशन बिना टाँके के भी किए जाते हैं।
कॉपर-टी की सुविधा उपलब्ध है।
गर्भवती महिलाओं के लिए OPD फीस फ्री
पता : मिनी बाईपास रोड़, CR Resort के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र : 9416296903, 8168362612